Cw
Wednesday

Date 29.09.21
Page 87

हंस और कछुआ

1) हमें इस विषय से यह सीख मिलती है कि हमेशा हमें सोच - विचार करके अपने काम को करना चाहिए। हमें कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। और हम जल्दबाजी करते हैं तो हम जो काम कर रहे हैं वह कभी भी पूरे तरीके से सफल नहीं हो सकता। कोई न कोई गड़बड़ हो ही जाती है। इसलिए हमें हमेशा सोच विचार करकर ही अपना काम करना चाहिए नहीं तो उस काम में गड़बड़ हो जाएगी और हमें भुगना होगा। और हमारा हाल भी 'हंस और कछुआ' के विषय में आखरी में जो कछुए के साथ हुआ वह हमारे साथ भी हो सकता है।

New Wednesday

Date 24.09.21
Page 88

हंस और कछुआ

पाठ का सारांश

मगध देश में फुल्लोत्पल नामक तालाब में संकट और विकट नामक दो हंस रहते थे। उनका एक कछुआ दोस्त भी वहाँ पर रहता था। उस तालाब में बहुत सारे मछलियाँ भी रहती थी। एक दिन कुछ मछुआरे वहाँ से गुजर रहे थे। उनकी नजर तालाब पर पड़ी। उन्होंने सोचा की वह आकर कछुए और मछलियों को पकड़ लेंगे। हंसों ने यह बात कछुए को बताई। कछुआ घबरा गया। हंसों ने एक योजना बनाई की वे एक लकड़ी को दबाएंगें (पकड़ेंगें) और कछुआ उस लकड़ी को पकड़ेगा और इसी तरह वह दूसरे तालाब को उड़ चलेंगें। जब वह एक गाँव के ऊपर से जा रहे थे। तो नीचे कुछ बच्चे पतंग

Hw
wednesday

Date 21.07.21
Page 89

उड़ा रहे थे। सभी लोगों ने मिलकर कछुए का मजाक बनाया। जब कछुआ बोलने लगा तो वह नीचे गिरकर मर गया।